चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय–4

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 भूमिका

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करता है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं के स्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह वह उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता हैं। जो नवीन सिद्धान्त की खोज अथवा सामान्यी करण रूप से होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पतियों द्वारा किया जाता है।

4.2प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन में उचित सांख्किकी विधियों का उपयोग करके पारित प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध अध्ययन में कुल 3 शोध प्रश्न रखे गये थे। जिसके प्रदत्तों के निरंतर प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकाले परिणाम की व्याख्या की गई है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

जे.एच. वाईनकर के शब्दों में:-

"एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है किन्तु पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से रखने से होता है वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरान्त उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।"

तालिका क्रमांक4.1

विधान नं-1 मुझे प्रार्थना करना अच्छा लगता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	91	06	03	100
प्रतिशत	91%	06%	03%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 91 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 06 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 03 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकत्तर प्रशिक्षणार्थीयों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना करना अच्छा लगता है।

तालिका क्रमांक4.2

विधान नं-2 प्रार्थना खंड में मुझे प्रार्थना करते समय अच्छा लगता है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library
NCERT

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	90	06	04	100
प्रतिशत	90%	06%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 90 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 06 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकत्तर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना खंड में प्रार्थना करना अच्छा लगता है।

तालिका क्रमांक4.3

विधान नं–3प्रार्थना से मेरे मन और आत्मा को शांति मिलती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	87	12	01	100
प्रतिशत	87%	12%	01%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 87 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 12 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 01 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा

सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना करने से उनके मन और आत्मा को शांति प्राप्त होतीहै।

तालिका क्रमांक4.4

विधान नं–4 प्रार्थना से शुरूआत करने से मुझे अध्ययन कार्य में लाभ होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	87	11	02	100
प्रतिशत	87%	11%	02%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 87 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 11 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 02 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना से शुरूआत होने से अध्ययन कार्य में लाभ होता है।

तालिका क्रमांक4.5

विधान नं–5प्रार्थना में समुह गान करने से सामाजिक मूल्य की प्राप्ति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	86	10	04	100
प्रतिशत	86%	10%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 86 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है।10 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में समूह गान करने से सामाजिक मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.6

विधान नं–6प्रार्थना के समूहगान से परमशांति का अनुभव होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	80	13	07	100
प्रतिशत	80%	13%	07%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 80 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 13 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 07 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा

सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में समूह गान करने से परम शांति का अनुभव होता है।

तालिका क्रमांक4.7

विधान नं–7प्रार्थना सभा में संस्कृति के आधार पर प्रवचन देने पर सांस्कृतिक मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	85	13	02	100
प्रतिशत	85%	13%	02%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 13 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 02 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में सांस्कृतिक प्रवचन देने से सांस्कृतिक मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.8

विधान नं–8 प्रार्थना सभा में विभिन्न भाषा के गीत प्रस्तुत होने से सांस्कृतिक मूल्यका विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	88	08	04	100
प्रतिशत	88%	08%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 88 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 08 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में विभिन्न भाषा के गीत प्रस्तुत होने से सांस्कृतिक मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.9

विधान नं–9 प्रार्थना गीत के कारण गैय अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	83	13	04	100
प्रतिशत	83%	13%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 83 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 13 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों

की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में गीत प्रस्तुत करने से गैय अभिव्यक्ति का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.10

विधान नं–10 प्रार्थना सभा में विशिष्ट दिन को मनाने से सांस्कृतिक एवं धार्मिक मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	82	14	04	100
प्रतिशत	82%	14%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 82 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 14 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में विशिष्ट दिन को मनाने से सांस्कृतिक एवं धार्मिक मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.11

विधान नं–11 प्रार्थना सभा में जन्म दिन को मनाने से सांस्कृतिक एवं मानवता के मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	82	09	09	100
प्रतिशत	82%	09%	09%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 82 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 09 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 09 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में जन्म दिन मनाने से सांस्कृतिक एवं मानवता के मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.12

विधान नं-12 में सभी धर्म की प्रार्थना आसानी से कर सकता/सकती हुँ।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	68	19	13	100
प्रतिशत	68%	19%	13%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 68 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 19 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 13 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों

की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में सभी धर्म की प्रार्थना करने से धार्मिक मूल्य, एकता का मूल्य एवं समानता के मूल्यों का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.13

विधान नं-13 प्रार्थना सभा में ऊँ कार का नाद करने से दिव्य चेतना की अनुभूति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	88	09	03	100
प्रतिशत	88%	09%	03%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 88 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 09 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 03 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में ऊँ कार का नाद करने से दिव्य चेतना का अनुभव होताहै।

तालिका क्रमांक4.14

विधान नं-14 प्रार्थना सभा में ऊँ कार का नाद करने से धार्मिक मूल्य की प्राप्ति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	83	13	04	100
प्रतिशत	83%	13%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 83 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 13 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में ऊँ कार का नाद करने से धार्मिक मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.15

विधान नं-15 सर्वधर्म समभाव की प्रार्थना करने से धार्मिक एवं मानवता के मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	84	12	04	100
प्रतिशत	84%	12%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 84 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 12 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों

की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में सर्वधर्म समभाव की प्रार्थना करने से धार्मिक एवं मानवता के मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.16

विधान नं-16 मुझे विभिन्न धर्म की प्रार्थना करना अच्छा लगता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	79	15	06	100
प्रतिशत	79%	15%	06%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 79 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 15 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 06 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में विभिन्न धर्म की प्रार्थना करना अच्छा लगता है।

तालिका क्रमांक4.17

विधान नं-17 मुझे प्रार्थना सभा में प्रवचन देना अच्छा लगता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	71	15	14	100
प्रतिशत	71%	15%	14%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 71 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 15 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 14 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रवचन देना अच्छा लगता एवं प्रशिक्षणार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.18

विधान नं-18 प्रार्थना सभा में प्रवचन देने पर मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	93	04	03	100
प्रतिशत	93%	04%	03%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 93 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 03 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रवचन देने से मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.19

विधान नं-19 प्रार्थना सभा में प्रवचन देने पर श्रवण कौशल का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	83	14	03	100
प्रतिशत	83%	14%	03%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 83 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 14 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 03 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रवचन शुनने से श्रवण कौशल का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.20

विधान नं–20 प्रार्थना सभा के प्रवचन से विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	84	12	04	100
प्रतिशत	84%	12%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 84 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 12 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रस्तृत होनेवाले प्रवचन से विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है।

तालिका क्रमांक4.21

विधान नं–21 प्रार्थना सभा मे अंग्रेजी प्रवचन प्रस्तुत होने पर अंतराष्ट्रीय भाषा एवं मूल्य की प्राप्ति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	80	14	06	100
प्रतिशत	80%	14%	06%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 80 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 14 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 06 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रस्तृत होनेवाले अंग्रेजी प्रवचन से अंतराष्ट्रीय भाषा एवं मूल्य की प्राप्ती होती है।

तालिका क्रमांक4.22

विधान नं–22 प्रार्थना सभा मे हिन्दी भाषा में प्रवचन प्रस्तुत होने पर राष्ट्रीय मूल्य की प्राप्ति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	84	11	05	100
प्रतिशत	84%	11%	05%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 84 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 11 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 05 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा

सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रस्तृत होनेवाले हिन्दी भाषा के प्रवचन से राष्ट्रीय मूल्य की प्राप्त होती है।

तालिका क्रमांक4.23

विधान नं–23 प्रार्थना सभा मे संस्कृत प्रवचन प्रस्तुत होने पर प्राचीन भाषा एवं सांस्कृतिक मूल्य की प्राप्ति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	85	12	03	100
प्रतिशत	85%	12%	03%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 12 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 03 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है।इससे यहज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रस्तृत होनेवाले संस्कृत प्रवचन से प्राचीन भाषा एवं सांस्कृतिक मूल्य की प्राप्त होती है।

तालिका क्रमांक4.24

विधान नं–24 मुझ प्रार्थना सभा मे प्रतिज्ञा बोलना अच्छा लगता है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	84	11	05	100
प्रतिशत	84%	11%	05%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 84 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 11 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 05 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रातिज्ञा बोलना अच्छा लगता है।

तालिका क्रमांक4.25

विधान नं–25 प्रार्थना सभा मे प्रतिज्ञा पत्र बोलने पर राष्ट्रीय मूल्य की प्राप्ति होती है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	83	14	03	100
प्रतिशत	83%	14%	03%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 83 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 14 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 03 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों

की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में प्रतिज्ञा पत्र बोलने से राष्ट्रीय मूल्य की प्राप्ती होती है।

तालिका क्रमांक4.26

विधान नं–26 प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय गीत गाने पर राष्ट्रीय मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	85	10	05	100
प्रतिशत	85%	10%	05%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 10 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 05 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय गीत गाने से राष्ट्रीय मूल्य की प्राप्ति होती है।

तालिका क्रमांक4.27

विधान नं–27 प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान गाने पर राष्ट्रीय मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	87	07	05	100
प्रतिशत	87%	07%	05%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 10 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 05 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय गीत गाने से राष्ट्रीय मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.28

विधान नं–28 प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय दिन मनाने पर राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय मूल्यों का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	82	12	06	100
प्रतिशत	82%	12%	06%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 82 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 12 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 06 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों

की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्री दिन मनाने से राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्री मूल्य का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.29

विधान नं–29 प्रार्थना सभा में सहभागी होने से मुझ में अभिव्यति कौशल का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	82	12	06	100
प्रतिशत	82%	12%	06%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 82 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 12 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 06 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में सहभागी होने से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।

तालिका क्रमांक4.30

विधान नं–30 प्रार्थना सभा में सहभागी होने से मुझे में सामाजिक मूल्य का विकास होता है।

अभिप्राय	सहमत	तटस्थ	असहमत	कुल
प्रतिभाव का विश्लेषण	85	11	04	100
प्रतिशत	85%	11%	04%	100

कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों में से 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी सहमत है। 11 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी तटस्थ और 04 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी असहमत है। इससे यह ज्ञात होता है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति इस विधान के प्रति सहमत है। जिससे यह कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रार्थना सभा में सहभागी होने से सामाजिक मूल्य का विकास होता है।